चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.12.21	4	6-8

एग्रो टिप्स • वैज्ञानिक किसानों को दे रहे खरपतवार नियंत्रण के सुझाव

समय पर खरपतवार नियंत्रण कर ले सकते हैं गेहूं की अधिक पैदावार

भास्कर न्यूज | हिसार

गेहूं प्रदेश में रबी की मुख्य फसल है। किसान उन्नत किस्म व सिंचाई का प्रबंध कर अधिक पैदावार हासिल कर रहे हैं, लेकिन साथ ही खरपतवारों की समस्या भी बढ़ती जा रही है जिससे पैदावार में गिरावट की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। प्रदेश में धान-गेहूं फसल चक्र वाले क्षेत्रों में गुल्ली डंडा(कनकी), लोम्बड़ घास, जंगली पालक, पीत पापड़ा, मैंना व मालवा की समस्या अधिक है। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य वैज्ञानिक फसल को रोगों से बचाव के टिप्स दे रहे हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि दक्षिणी हरियाणा में जंगली जई, बाथू, खड़बाथू, गुल्ली डंडा, हिरणखुरी, मेथा, गाजरी, प्याजी व कंटीली पालक खरपतवार का अगर गेहूं की फसल में समय पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो 75 प्रतिशत तक पैदावार में कमी हो सकती है।

खरपतवारनाशक के प्रयोग में बरतें सावधानी

वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल के अनुसार खरपतवारनाशी की सिफारिश की गई मात्रा का छिड़काव 150-200 लीटर पानी में मिलाकर फ्लैट फैन नोजल युक्त हस्त चालित स्प्रे पंप द्वारा करना चाहिए। गुल्ली डंडा की रोकथाम के लिए क्लोडीनाफोप 160 ग्राम प्रति एकड़ या पीनोक्साडेन 400 मिली प्रति एकड़ या सल्फोसल्फयूरोन 13.5 ग्राम प्रति एकड़ का छिड़काव करें। अगर हवा जोर से चल रही हो तो छिड़काव न करें अन्यथा साथ वाले खेत में खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।

छिड़काव में सही मात्रा व समय का रखें ध्यान

डॉ. पवन कुमार के अनुसार खरपतवारनाशकों की सही मात्रा का ख्याल रखना जरूरी है। बिजाई के तुरंत बाद खरपतवारनाशियों का प्रयोग करें। उगे हुए खरपतवारों का नष्ट करने के लिए जब वे 2-3 पत्तों की अवस्था में हो तब खरपतवारनाशियों का प्रयोग करें। यदि खरपतवार बड़े हो जाए तो उनका नियंत्रण मुश्किल हो जाता है।

इस प्रकार लगा सकते हैं खरपतवार पर नियंत्रण

गेहूं की फसल में गुड़ाई द्वारा किसान कोर लगाने के 10 दिन बाद कसोले या खुरपे से खरपतवार निकाल सकते हैं। कई खरपतवार गेहूं की फसल जैसे ही होते हैं जिनको केवल खरपतवारनाशी द्वारा निकाला जा सकता है। कई क्षेत्रों में खरपतवारों में खरपतवारनाशक के प्रति प्रतिरोधकता आ गई है, इसलिए सलाहनुसार ही इनका प्रयोग करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16.12.21	8	3-5

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : काम्बोज

हिसार : प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हिसार, 15 दिसम्बर (राजकुमार शर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसधान प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होंगे। ये तकनीकें शोधकर्ताओं को गुणवत्तापूर्वक आंकड़ों के एकत्रण एवं विश्लेषण में सहायक होंगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि जब भी कोई नई किस्म को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक किसानों को सलाह दे सकेंगे की वे किसी किस्म में रसायनों व उर्वरकों की कितनी मात्रा का प्रयोग करें ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हो सके।

साथ ही अर्थमिती तकनीकों के प्रयोग से उसका आर्थिक अनुमान लगाया जा सकता है जिससे सफल नीति निर्धारण आसान होगा और आर्थिक नुकसान से बच सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.12.21	4	1-2

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 15 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा।

वे विश्वविद्यालय के मानव संसधान प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता, कृषि अर्थशास्त्र के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. मलिक, डॉ. जितेंद्र भादिया, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. मोनिका व डॉ. जोगेंद्र भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य। (एजेंसी)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.12.21	2	7-8

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीक कृषि नीति निर्धारण में सहायक

एचएयू में प्रशिक्षण के समापन पर बोले वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। वीसी ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा।

अनुभव किए साझा

मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया व इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण कोर्स की जानकारी दी। प्रशिक्षणों का आयोजन वैज्ञानिकों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इससे वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों के उपयोग की जानकारी मिलती है और ये स्वयं को बदलते परिवेश में आसानी से ढालने में सक्षम हो पाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.12.21	4	1-2

'सांख्यिकी एवं अर्थमिति तकनीक का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक'

हिसार। वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिति तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे।

यह कहना है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का। वह विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिति तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्रोत से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा। इस मौके पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. मंजू मेहता, डॉ. डीपी मलिक, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. मोनिका, डॉ. जोगेंद्र मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	15.12.21	--	--

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग अविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.12.21		--

एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि जब भी कोई नई किस्म को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक किसानों को सलाह दे सकेंगे की वे किसी किस्म में रसायनों व उर्वरकों की कितनी मात्रा का प्रयोग करें ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हो सके।

एचएय प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने प्रशिक्षण कोर्स की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. मंजू मेहता, डॉ. डी.पी. मलिक, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. मोनिका व डॉ. जोगेंद्र मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.12.21	---	---

एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

सांख्यिकी एवं अर्थमिति तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिति तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभदायक होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इनके परिणाम भी इसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिति तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, विस्तार, पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, किसानों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा। ये तकनीकें शोधकर्ताओं को गुणवत्तापूर्वक आंकड़ों के एकत्रण एवं विश्लेषण में सहायक होंगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि जब भी कोई नई किस्म को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक किसानों को सलाह दे सकेंगे कि वे किसी किस्म में खादों व उर्वरकों की कितनी मात्रा का प्रयोग करें ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हो सके। साथ ही अर्थमिति तकनीकों के प्रयोग से उसका आर्थिक अनुमान लगाया जा सकता है जिससे सफल नीति निर्धारण आसान होगा और आर्थिक नुकसान से बचा सकता है।

अनुभव किए साझा, प्रशिक्षण को बताया फायदेमंद

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया व इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण कोर्स की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस तरह के प्रशिक्षणों का आयोजन वैज्ञानिकों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इससे वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों के उपयोग की जानकारी मिलती है और वे स्वयं को बदलते परिवेश में अपनाने में सक्षम हो पाते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में एचएयू के अलावा लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार, पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता, कृषि अर्थशास्त्र के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. मलिक, डॉ. विनोद भाटिया, डॉ. राजेश बिश्नोई, डॉ. मोनिका व डॉ. जोगेंद्र भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	15.12.21	--	--

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभदायक होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसके अनुरूप बेहतर होंगे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर परिकलन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा।

मेरी फसल-मेरी ब्यौरा पोर्टल पर कृषि क्षेत्र से संबंधित भूमि का शत-प्रतिशत पंजीकरण होगा : एडीसी

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। अतिरिक्त उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिले में कृषि क्षेत्र से संबंधित भूमि का शत-प्रतिशत पंजीकरण मेरी फसल मेरी ब्यौरा पोर्टल पर करवाने के निर्देश दिए हैं। वे बुधवार को स्थानीय लघु सचिवालय परिसर स्थित जिला सभागार में कृषि विभाग द्वारा आयोजित की गई अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित सरकारी, गैर सरकारी, पंचायती, गैर-मुमकिन जमीन का पंजीकरण पोर्टल पर करवाने के निर्देश दिए हैं। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी सतजीत सिंह पवार को निर्देश दिए गए कि वे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती जमीन का पंजीकरण पोर्टल पर शीघ्र करवाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, एचएसएएमबी, बीज प्रमाणीकरण से संबंधित अधिकारी अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्रों की जमीन का पंजीकरण करवाएं।

अतिरिक्त उपायुक्त ने कृषि विभाग के उप-मंडल कृषि अधिकारी, खंड कृषि अधिकारियों, कृषि विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में किसानों को मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाने के लिए जागरूक करें। कृषि विभाग के उप-निदेशक डॉ विनोद कुमार फोगाट ने बताया कि उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए इस पोर्टल पर फसलों का पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। सभी सीएससी सेंटरों पर किसानों की फसलों का पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकरण निशुल्क किया जा रहा है। बैठक में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी सतजीत सिंह पवार, कृषि विशेषज्ञ डॉ प्रवीण मंडल, कृषि विभाग के एसडीओ डॉ पवन ढींगड़ा, डॉ करणी सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	15.12.2021	--	--

सांख्यिकी एवं अर्थमिती तकनीकों का प्रयोग भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक : प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

टुडे न्यूज । हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा।

यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा। ये तकनीकें शोधकर्ताओं को गुणवत्तापूर्वक आंकड़ों के एकत्रण एवं विश्लेषण में सहायक होंगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि जब भी कोई नई किस्म को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक किसानों को सलाह दे सकेंगे की ये किसी किस्म में रसायनों व उर्वरकों की कितनी मात्रा का प्रयोग करें ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हो सके। साथ ही अर्थमिती तकनीकों के प्रयोग से उसका आर्थिक अनुमान लगाया जा सकता है जिससे सफल नीति निर्धारण आसान होगा और आर्थिक नुकसान से बच सकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में एचएयू के अलावा लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार, पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता, कृषि अर्थशास्त्र के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. मलिक, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. मोनिका व डॉ. जोगेंद्र भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	15 .12.21		--

नभ-छोर स्थानीय-विविध

अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी व अर्थमिती तकनीकों का ज्यादा उपयोग करें कृषि वैज्ञानिक : कुलपति

हिसार/15 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान व भूतकाल के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए भविष्य के लिए पूर्वानुमान सही व सटीक तैयार किया जा सकेगा। यह भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत ही लाभप्रद होगा और भविष्य की कृषि नीति निर्धारण में सहायक होगा। इसके परिणाम भी उसी अनुरूप बेहतर होंगे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन पर

बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा। ये तकनीकें शोधकर्ताओं को गुणवत्तापूर्वक आंकड़ों के एकत्रण एवं विश्लेषण में सहायक होंगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि जब भी कोई नई किस्म किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक किसानों को सलाह दे सकेंगे की वे किस किस्म में रसायनों व उर्वरकों की कितनी मात्रा का प्रयोग करें ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हो सके। साथ ही अर्थमिती तकनीकों के प्रयोग से उसका आर्थिक अनुमान लगाया जा सकता है, जिससे सफल नीति निर्धारण आसान होगा और आर्थिक नुकसान से बच सकता है।

मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षणों का आयोजन वैज्ञानिकों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इससे वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों के उपयोग की जानकारी मिलती है और वे स्वयं को बदलते परिवेश में आसानी से ढालने में सक्षम हो पाते हैं। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता, कृषि अर्थशास्त्र के अध्यक्ष डॉ. डीपी मलिक, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. मोनिका व डॉ. जोगेंद्र भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	16.12.21		

देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

एचएयू में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

हिसार, 15 दिसंबर (सुरेंद्र सेवदी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि अनुसंधान कार्यों में सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

प्रशिक्षण हासिल करने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यातिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

वे विश्वविद्यालय के मानव संसधान प्रबंध निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का विषय सांख्यिकी और अर्थमिती तकनीकों का कृषि में प्रयोग रखा गया था। कुलपति ने कहा कि इन तकनीकों के प्रयोग से विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित आंकड़ों को कृषि अनुसंधान, रिसर्च पेपर पब्लिकेशन, भविष्य की नीति निर्धारण, कृषि व उससे संबंधित विभिन्न संस्थाओं, विभागों व किसानों के मार्गदर्शन के लिए फायदेमंद साबित होगा। ये तकनीकें शोधकर्ताओं को सुगमतापूर्वक आंकड़ों के एकत्रण एवं विश्लेषण में सहायक होंगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि जब भी कोई नई किस्म को किसानों के लिए जारी की जाती है तो इन तकनीकों का प्रयोग कर वैज्ञानिक किसानों को सलाह दे सकेंगे की वे किसी किस्म में रसायनों व उर्वरकों की कितनी मात्रा का प्रयोग करें ताकि पैदावार में अच्छी बढ़ोतरी हो सके। साथ ही अर्थमिती तकनीकों के प्रयोग से उसका आर्थिक अनुमान लगाया जा सकता है जिससे सफल नीति निर्धारण आसान होगा और आर्थिक नुकसान से बच सकता है। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता, कृषि अर्थशास्त्र के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. मलिक, डा. जितेंद्र भाटिया, डा. दलीप बिश्नोई, डा. मोनिका व डा. जोगेंद्र भी मौजूद रहे।

अनुभव किए साझा

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया व इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण कोर्स की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस तरह के प्रशिक्षणों का आयोजन वैज्ञानिकों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इससे वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों के उपयोग की जानकारी मिलती है और वे स्वयं को बदलते परिवेश में आसानी से ढालने में सक्षम हो पाते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में एचएयू के अलावा लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार, पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	16.12.2021	--	--

एचएयू में 7 दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक लेंगे हिस्सा

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती द्वार।

हिसार, 15 दिसंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डा. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।

● पारंपरिक वेशभूषा व खेलों के जरिए झलकेगी राज्यों की संस्कृति

कमेटियों की लगाई ड्यूटियां

छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.12.21	2	4-5

एचएयू में राष्ट्रीय एकता शिविर आज से कई राज्यों से 200 स्वयंसेवक आएंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विवि में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के चीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16.12.21	7	3

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

हिसार, 15 दिसम्बर (देवानंद सोनी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे।

उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.12.24	4	7-8

एच.ए.यू. में आज से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर

हिसार, 15 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आगामी 16 दिसम्बर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में दोपहर 12:30 बजे मुख्यातिथि विधायक डॉ. कमल गुप्ता करेंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे। शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.12.21	4	5

पारंपरिक वेशभूषा और खेलों के जरिये झलकेगी राज्यों की संस्कृति

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा। जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि होंगे। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे। 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं न्यूज	16.12.21	--	--

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

- 16 दिसंबर से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर, देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक करेंगे शिरकत
- पारंपरिक वेशभूषा व खेलों के जरिए झलकेगी राज्यों की संस्कृति

हिसार (सच कहूं न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।

बनाया गया है शेड्यूल, कमेटियों की लगाई ड्यूटियां

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	15.12.2021	--	--

हकृवि में कल से लगेगा सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कल से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि इस शिविर का उद्घाटन कल दोपहर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	16.12.21		

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

- आज से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर, देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक करेंगे शिरकत
- पारंपरिक वेशभूषा व खेलों के जरिए झलकेगी राज्यों की संस्कृति

टूडे न्यूज । हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आज 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती द्वार का फाइल फोटो।

बनाया गया है शेड्यूल, कमेटियों की लगाई ड्यूटियां

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	15.12.21		

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की सांस्कृतिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।

बनाया गया है शेड्यूल, कमेटियों की लगाई ड्यूटियां

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सच्ची	15.12.21	----	----

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	15.12.21	--	--

एचएयू में सात दिन तक होंगे अनेकता में एकता के दर्शन, नजर आएगा छोटा भारत

कल से लगेगा राष्ट्रीय एकता शिविर, देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक करेंगे शिरकत

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 16 दिसंबर से अनेकता में एकता के दर्शन होंगे। यह नजारा विश्वविद्यालय में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर का विधिवत उद्घाटन कृषि महाविद्यालय के सभागार में 16 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर किया जाएगा जिसमें विधायक डॉ. कमल गुप्ता बतौर मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे और साथ ही 15 कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान स्वयंसेवक अपने-अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा, खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से वहां की कला व संस्कृति के दर्शन कराएंगे। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया जाएगा।

बनाया गया है शेड्यूल, कमेटियों की लगाई ड्यूटियां

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व स्वयंसेवकों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। साथ ही सात दिनों का अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित किया गया है जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों, वाद-विवाद सहित अन्य प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है।